



कान्हा में रही सबसे अधिक भीड़ भाड़: विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व जिले में सबसे अधिक पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। देश विदेश से तो पर्यटक आते ही हैं। जो टिकट लेकर पार्क भ्रमण करते हैं। कुछ पर्यटक ऐसे रहे जो कान्हा में सफारी नहीं की। लेकिन वे कान्हा तक गए और आसपास के जंगल और रिसोर्ट में ठहरे और पार्टियां कर लुप्त उठाया इसी तरह पर्यटकों ने खूब एंज्वाय किया। 1325 पर्यटकों ने सुबह व शाम को सफारी की।

ग्रामीणों ने सचिव एवं रोजगार सहायक पर लगाए गंभीर आरोप

दर्जनो पीएम आवास अधूरे पड़े, हितग्राहियो को जारी कर दी संपूर्ण राशि

अपूर्ण आवासो की संपूर्ण राशि जारी करने का आरोप

डिंडौरी – केन्द्र सरकार के द्वारा आवासहीन परिवारो को छत मुहैया कराने के लिए संचालित महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना पर जिम्मेदार पानी फेर रहे हैं। जिले में बड़े पैमाने पर आवास योजना में फर्जीवाड़ा के मामले सामने आ रहा है,कुछ ऐसा ही ताजा मामला सामने आया है, समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया में लंबे समय से सचिव एवं रोजगार सहायक मिलीभगत करते हुए शासन के जनकल्याणकारी योजनाओ को पलीता लगाया जा रहा है। निर्माण कार्यों में अनियमितता तो आम बात है किन्तु इनके द्वारा केन्द्र सरकार के महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना में फर्जीवाड़ा करते हुए आवास निर्माण कार्य पूर्ण होने से पहले ही हितग्राहियो को स्वीकृत संपूर्ण राशि जारी कर योजना का बंटोढार करने पर तुले हैं,मामले की पिकायत ग्रामीणो ने कलेक्टर से करते हुए मामले की उच्च स्तरीय जाँच कराते हुए कार्यवाही किए जाने की माँग की है। कलेक्टर से की गई पिकायत में उल्लेख है कि ग्राम पंचायत पिपरिया में वर्ष 2020–21 में पीएम आवास योजना के तहत कुल 43 हितग्राहियों के नाम से पीएम आवास स्वीकृत किया गया था। जिसमें 16 हितग्राहियों के आवास निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया है,वेष आवास अपूर्ण एवं क्षतिग्रस्त स्थिति में हैं। ग्रामीणों ने पंचायत कर्मियों पर आरोप लगाते हुए बताया कि ग्राम में लगभग 10 हितग्राहियों के आवास अपूर्ण है जिसकी संपूर्ण किस्त की राशि मनमानी तरीके से जारी करते हुए बंदरबॉट किया गया है।



अपूर्ण आवासो की जारी कर दी राशि

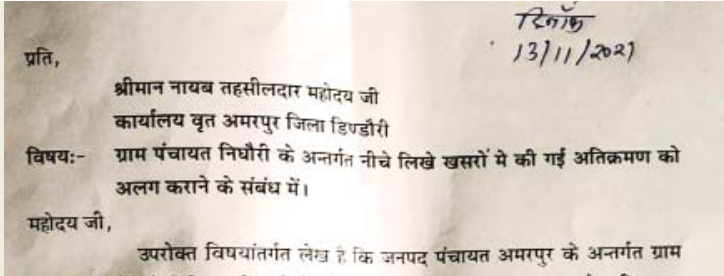
ग्राम पंचायत पिपरिया में पदस्थ सचिव समरसिंह परस्ते के एवं रोजगार सहायक के द्वारा मनमानी पूर्वक अपूर्ण आवासो की संपूर्ण राशि जारी करने का आरोप ग्रामीणो ने लगाया है। बताया गया कि

आवास हितग्राही रमानाथ/केशवप्रसाद, बलराम/भोलासिंह, लखनसिंह/महेशसिंह, उद्रेष सिंह/गन्तु, ज्ञानसिंह/महेश सिंह, तेजभान सिंह/हीरासिंह, सूरजसिंह/षंकर सिंह, बैजनाथ/नौहरसिंह, राजकुमार/दुख्खु सिंह का आवास अभी तक अपूर्ण है,लेकिन संपूर्ण स्वीकृत राशि हितग्राहियो को जारी करने का आरोप हैं।

राजस्व विभाग की निरंकुश कार्यप्रणाली के चलते अवैध कब्जाधारियों के हौसले बुलंद

डिण्डौरी नवप्रदेश

– डिण्डौरी जिले में शासकीय भूमी पर कब्जा आम बात है राजस्व विभाग की लचर कार्यप्रणाली के चलते जिले भर में शासकीय भूमि पर बेजा कब्जधरियो की बाढ़ आई हुई है।जिसे रोकने में प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों का पसीना छूट रहा है। गौरतलब है कि जनपद पंचायत अमरपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत निघोरी में विभिन्न मोहल्लों में लोगो ने शासकीय भूमि पर कब्जा कर मकान तान कास्तकारी कर रहे है। जिससे ग्राम पंचायत में शासकीय भवनों के लिए शासकीय भूमि का टोटा होने लगा है।इसी



मामले को ले ग्रामपंचायत निघोरी ने 13 नवंबर को ग्राम सभा मे शासकीय भूमि को अतिक्रम मुक्त कराने प्रस्ताव पारित किया था।पर पंचायत चुनाव की अधिसूचना के चलते आगे कार्यवाही नही

प्रियम नगर, जय ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मनोनीत भारतीय जनता युवा मोर्चा में मनोनयन

अनूपपुर नवप्रदेश

भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रविंद्र राठौर ने प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार के मार्गदर्शन एवं जिला प्रभारी डॉ राजेश मिश्रा की सहमति एवं जिला भाजपा अध्यक्ष बृजेश गौतम की अनुशंसा पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष के नाम घोषित कर दिए हैं।इस मंडल अध्यक्षों में संगीत कुमार पटेल जैतहरी प्रियंक द्विवेदी अमरकंटक दिग्विजय सिंह वेंकटनगर प्रियम शुक्ला अनूपपुर नगर राजेंद्र सिंह लिंगगाम बेनीबारी नेम सिंह करपा सोनू कनौजिया राजनगर जय दीक्षित अनूपपुर ग्रामीण एवं सेवाराम बंजारा को राजेंद्र ग्राम मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया है।इस सूत्र बताते हैं कि जिन मंडल अध्यक्षों की सूची जारी की गई है उसमें कोतमा नगर कोतमा ग्रामीण एवं फनगा

बिजुरी मंडल के मंडल अध्यक्षों की घोषणा नहीं की गई है।इस मिली जानकारी के अनुसार उक्त मंडलों में दावेदारों की संख्या अधिक है और कोतमा और बिजुरी क्षेत्र कोतमा विधानसभा अंतर्गत आते हैं और इसी क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष भी हैं।इस जन चर्चा यह है कि पसंद नापसंद के कारण इन मंडलों में घोषणा अटक गई है। जिन युवा नेताओं के नाम पर वरिष्ठ नेता द्वारा मुहर लगाना चाहा जा रहा है उसमें युवा मोर्चा प्रदेश इकाई असहमति जाहिर कर रही है।इस वैसे भी कोतमा नगर के 2 युवाओं का नाम जिला कार्यकारिणी के प्रमुख पदों में शामिल होने को आ रहा है।इस वैसे भी कोतमा और बिजुरी नगर में भारतीय जनता पार्टी में गुटबाजी किसी से छुपी नहीं है और अब भारतीय जनता युवा मोर्चा में भी ऐसे मंडलों की घोषणा ना होने से गुटबाजी को ही कारण माना जा रहा है।

नपां.पसान क्षेत्र में गरीब असहाय जरूरतमंद परिवारों को भाजपा नेता ने बाटे गर्म कंबल

अनूपपुर नवप्रदेश

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी उमेश मिश्रा ने 2022 नववर्ष पर के शुभ अवसर पर नगर पालिका पसान क्षेत्र के गरीब असहाय जरूरतमंद परिवार जनो को कड़ाके की ठंड में गर्म कंबल वितरण किया गया है। उमेश ने कहा कि जीवन में समाज के प्रति सेवा समर्पण भाव व्यक्ति के जीवन में होना चाहिए इस कड़ाके की ठंड में गरीब असहाय परिवारों की मदद के लिए सभी लोगों को बटु-चढ़कर हाथ आगे बढ़ाना चाहिए,मानवता सबसे बड़ी सेवा है। अवसर पर लगभग सैकड़ों असहाय जरूरतमंद परिवारों को गर्म कंबल वितरण किया गया। मिश्रा ने कहा कि परिवार की ओर से पहले भी जरूरतमंद गरीब परिवारों को घरों में जाकर ठंडी के गर्म कपड़े एवं कंबल वितरण कर उनका आशीर्वाद लेने का मुझे सौभाग्य एवं अति आनंद प्राप्त होता है।मिश्रा ने कहा कि यह हम समझते हैं की असहाय गरीब लोगों की भलाई करना कर्तव्य नहीं आनंद है,साथक और प्रभावी उपदेश सिर्फ वह है जो वाणी से नहीं आचरण व कर्म से



प्रस्तुत किया जाता है।हर इंसान को जीवन में मानवता परमो धर्म पर स्वार्थ भाव से लोगों की मदद करना चाहिए।आजकल लोग दूसरों की बुराई करने में जो वक्त लगा देते हैं उस वक्त में खुद को बेहतर बनाने में काम करें तो दुनिया बदलने में देर नहीं लगेगी।हर इंसान आकर्षण तो

कहीं हो सकता है,पर समर्पण तो कहीं कहीं होता है।क्षेत्र के गरीब असहाय जरूरतमंद परिवारों के लिए समर्पण भाव ही मेरे जीवन की सच्ची कमाई है।।कड़ाके की ठंड में गरीब लोगों को गर्म कपड़े व कंबल वितरण कर उनके चेहरे में खुशी देखकर हृदय से आनंद एहसास होता है।

पीआरटी महाविद्यालय अनूपपुर में पौधरोपण कर नव वर्ष का स्वागत किया गया



अनूपपुर नवप्रदेश।

/पीआरटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाये देते हुए समस्त स्टाफ ने उन्होंने विचार किया की,नये साल का स्वागत का पौधा रोपड़ महोत्सव वृक्षारोपण से शुभारम्भ कर कई सारे कार्यक्रम प्रस्तुत करके किया गया जिसमें कॉलेज के समस्त शिक्षक (हस्त) विद्यार्थी और कॉलेज स्टॉफ ने अपने भीतर छिपी अनेकों प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया। कॉलेज वेयरमेन उमेश तिवारी जी ने बताया कि फ्रनए वर्ष की नए संकल्पो मे,2022 हरा –भरा हो,पिछला वर्ष कोरोना महामारी के चलते बहुत ही चुनौतीपूर्ण बीता है किन्तु आने वाले समय में इस महामारी से लड़ने के लिए वैक्सीन का निर्माण अपने अन्तिम चरण में है। वर्ष–2022 पूरे विश्व के लिए एक आशा की किरण लेकर आ रहा है जिसका स्वागत हम सब प्रकृति को बचाने के लिए संकल्प लेकर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके कर रहे हैं! संस्थान के सभी पीआरटी कॉलेज के संवाकल डॉ.देवेन्द्र तिवारी प्राचार्य शिवेंद्र कुमार तिवारी शिक्षक समस्त अदिति मिश्रा, अंजना साहू, रजनी सिंह, कमला सिंह,शारदा विश्वकर्मा, कमलेश सिंह, जानकी राठौर, आकांक्षा सिंह, रवि शर्मा, डॉ शशांक मिश्रा,विजय तिवारी, हर्ष मिश्रा, जीवेंद्र तिवारी, और समस्त विद्यार्थी आदि उपस्थिति रहे।

पंचायत कोको में नए वर्ष के उपलक्ष में सैला नृत्य का आयोजन किया गया



डिण्डौरी नवप्रदेश

जनवरी 2022,आदिवासी बाहुल्य जिला डिण्डौरी के आदिवासियों और

मूलवासियों का करमा सैल रीना नृत्य प्रदेश से लेकर देश की राजधानी तक अपना डंका बजा चुका है। यह इस क्षेत्र का पारंपरिक नृत्य है। आपको यहाँ की

नृत्य इस समय लोगों के लिए आकर्षण केन्द्र बना हुआ है,तो वहीं दूरदराज गांवों से आए सभी ग्रामीणों ने सैला रीना नृत्य का लुप्त भी उठाया,

संस्कृति और लोक नृत्य कला का आनन्द करमा,शैला रीना नृत्य में भरपूर देखने को मिलेगा। आदिवासियों के पारंपरिक परिधान लाल वाडर की सफेद रंग की साड़ियाँ पहने लड़कियाँ और पीले या सफेद धोती कुर्ता और कोटि पहने लड़के जगह-जगह लोक नृत्य करते नजर आयेगी। इस ही नजारा नव वर्ष 2022 के आगमन पर विकास खण्ड अमरपुर के ग्राम पंचायत कोको में देखने को मिला जहाँ ग्रामीणों ने शांति प्रिय रूप से नव वर्ष बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया है,नव वर्ष के शुभ अवसर पर बड़े हर्षोल्लास के साथ सैला, रीना, नृत्य का आयोजन भी ग्रामीणों द्वारा किया गया। जिसमें अपने परंपरागत वेशभूषा में ग्रामीणजन नजर भी आए यह नृत्य आदिवासी संस्कृतिक नृत्य है और सैला रीना

खास-खबर

डीन और भाजपा अध्यक्ष के मध्य तू तू में की चर्चा सुर्खियों मे

शहडोल नवप्रदेश। बीते दिनों संभाग मुख्यालय में आयोजित बैठक में मेडिकल कॉलेज के डीन और भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष के मध्य तू तू में मैं की स्थिति उत्पन्न हो गई थी जिसकी चर्चा इन दिनों सुर्खियों में है और दोनों के मध्य विवाद की स्थिति भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन चुकी है।इस सूत्र बताते हैं कि एक मामूली आवास आवंटन जैसी बात को लेकर दीन और भाजपा अध्यक्ष के मध्य वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई और इस बैठक में स्वयं जिले के प्रभारी मंत्री भी उपस्थित रहे और उन्होंने नाराजगी भी जताई।लोगों का मानना है कि सत्ता और संगठन के बीच गहरी खाई बनती जा रही है और इस खाई को गहराई से जाने में बचाने के लिए प्रदेश स्तर के संगठन के नेताओं को ध्यान देना होगा हालांकि मेडिकल कॉलेज के डीन ने को रोना काल में अच्छी स्थिति बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ा।कहा जा रहा है कि इस बात की जानकारी प्रदेश स्तर के प्रशासनिक अधिकारियों और संगठन के नेताओं को भी लग चुकी है।इस कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सत्ता और संगठन एक दूसरे की दूरी है और सत्ता और संगठन के मध्य समन्वय होना चाहिए और यदि जिले में सत्ता और संगठन के मध्य दूरी बढ़ रही है वयोंकि आगामी समय के लिए सही संकेत नहीं है।इस वैसे भी कभी रेत के विषय लेकर तो कभी पड़ोसी जिले अनूपपुर के पत्रकारों के साथ व्यवहार के विषय में भाजपा अध्यक्ष चर्चाओं में आ चुके थे

सेवानिवृत्त कुलसचिव का विदाई समारोह संपन्न

शहडोल नवप्रदेश। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल में पदस्थ कुलसचिव के 31 दिसंबर 2021 को सेवानिवृत्त होने के उपरांत विदाई समारोह आयोजित किया गया जिसमें प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मुकेश तिवारी, डॉ भरतशरण सिंह, यशवंत सिंह पटेल, श्रीमती डॉ तरामणि श्रीवास्तव ,श्रीमती डॉ सिद्धि श्री सिंह, श्रीमती डॉ मनोरमा सिंह,श्रीमती डॉ चंपा धुर्वे सहित विश्वविद्यालय के अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।इस कुलसचिव डॉ विनय सिंह 14 अगस्त 1980 को संभूनाथ कॉलेज शहडोल में पदस्थ हुए और 3 महीने शासकीय महाविद्यालय व्यवहारी में पदस्थ रहे।इस 16 अगस्त 2017 से शंभू नाथ विश्वविद्यालय में कुल सचिव के पद पर पदस्थ रहे और 31 जनवरी 2021 को सेवानिवृत्त हुए।इस कुलसचिव ने कहा कि मुझे हमेशा ही महाविद्यालय एवं विश्व विद्यालय स्टाफ का स्नेह प्राप्त हुआ और छात्र-छात्राओं का भी स्नेह मुझे मिला इसे मैं हमेशा ही याद रखूंगा

राघवेंद्र दुबेदी एसडीओपी धनपुरी पदस्थ

नवप्रदेश। आईजी ऑफिस में पदस्थ रहे डीएसपी दुबेदी को धनपुरी पदस्थ किया गया है। उन्होंने 1 जनवरी को नए साल के पहले दिन पदभार ग्रहण किया। दुबेदी को एक कुशल ईमानदार और दबंग तथा व्यवहार कुशल पुलिस अधिकारी के नाम से पहचाना जाता है। दुबेदी जी इसके पहले शहडोल जिले में कई थानों में थाना प्रभारी की कमान सम्हाल चुके हैं। उनके प्रभार लेने से कोयलांचल छेत्र में अपराध पर अंकुश लगेगा। दुबेदी जी को धनपुरी एसडीओपी पदस्थ किए जाने पर उनके मित्रों और शुभचिंतको ने बधाई दी है।



भारत एक ऋतुओं का देश है। भारत में छः ऋतु हैं जो निरंतर चलती रहती हैं। भारत की छः ऋतु बसंत ऋतु, वर्षा ऋतु, शरद ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, हेमंत ऋतु और शीत ऋतु हैं। शीत ऋतु का आगमन शरद ऋतु के बाद और बसंत ऋतु के आगमन पर समाप्त होती है। भारत में शीत ऋतु बहुत अधिक ठंडी ऋतु होती है। शीत ऋतु का समय नवम्बर मास से लेकर फरवरी मास तक होता है। भारत देश में नवम्बर में शुरू होने वाली ठंड दिसम्बर आते-आते भीषण ठंड में बदल जाती हैं। शीत ऋतु में दिन प्रायः छोटे और रातें लंबी होती हैं। सूर्य की गर्मी जो लोगों को ग्रीष्म ऋतु में अच्छी नहीं लगती वह गर्मी सभी लोगों को शीत ऋतु में अत्यंत प्रिय लगने लगती है।

शरद ऋतु भारत में चारों ऋतुओं में सबसे ठंडी ऋतु होती

शरद ऋतु भारत में चारों ऋतुओं में सबसे ठंडी ऋतु होती है। यह दिसम्बर के महीने में पड़ती है और मार्च में होली के दौरान खत्म होती है। दिसम्बर और जनवरी को शरद ऋतु के सबसे ठंडे महीने माना जाता है। यह पतझड़ के मौसम के बाद आती है और वसंत ऋतु (बाद में ग्रीष्म ऋतु) से पहले समाप्त हो जाती है। हम आमतौर पर, इसे दीवाली के त्योहार (शरद ऋतु की शुरुआत) से होली के त्योहार (शरद ऋतु की समाप्ति) तक वातावरण के तापमान में निरंतर कमी के द्वारा महसूस करते हैं। सर्दी का मौसम साल का सबसे ठंडा चरण होता है, जो दिसम्बर में शुरू होता है और मार्च में खत्म होता है। शरद ऋतु के दौरान सभी जगहों पर बहुत अधिक ठंड लगती है। शरद ऋतु के चरम सीमा के महीनों में वातावरण का तापमान बहुत कम हो जाता है। पहाड़ी क्षेत्र (घरों, पेड़ों, और घासों सहित) बर्फकी सफेद मोटी चादर से ढक जाते हैं और बहुत ही सुन्दर लगते हैं। इस मौसम में, पहाड़ी क्षेत्र बहुत ही सुन्दर दृश्य की तरह लगते हैं। सर्दियों में कड़ाके की ठंड और मौसम की स्थिति के कारण, लोगों को घर से बाहर जाने के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। देश के कुछ स्थानों पर, जलवायु सामान्य तापमान (न तो बहुत अधिक सर्दी और न ही बहुत अधिक गर्मी) के साथ मध्यम रहती है और बहुत ही सुखद अहसास देती है। सभी पूरे सर्दी के मौसम के दौरान शरीर को गर्म रखने के लिए मोटे ऊनी कपड़े पहनने के साथ ही बहुत ही कम तापमान से सुरक्षित महसूस करते हैं। शीत ऋतु हमें जीवन के संघर्षों का सामना करने की प्रेरणा देती है। शीत ऋतु से पहले शरद ऋतु में हमारा जीवन सामान्य रहता है लेकिन शीत ऋतु में हमारा संघर्ष बढ़ जाता है। जिस तरह से शीत ऋतु के जाने के बाद हमें बसंत का आनन्द मिलता है, ठीक उसी तरह जीवन में संघर्ष करने के बाद हमें सफलता का आनन्द मिलता है। यही संदेश हमें शीत ऋतु देती है। भारत में शरद ऋतु बहुत ही अधिक ठंडी ऋतु होती है। यह पतझड़ के बाद शुरू होती है और वसंत ऋतु के आगमन पर समाप्त होती है। हम वातावरण में शरद ऋतु के दौरान अन्य मौसमों की तुलना में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखते हैं। वातावरण का तापमान बहुत कम हो जाता है, तेज गति में हवाएं चलने लगती है, दिन छोटे हो जाते हैं और रातें लम्बी हो जाती है आदि। कभी-कभी तो हम घने बादलों, कोहरा और धुंध के कारण सूरज को भी नहीं देख पाते हैं हालांकि, अन्य सर्दियों के दिनों में आसमान बहुत ही साफ़और नीला दिखाई देता है। पूरे सर्दी के मौसम के दौरान गीले कपड़ों के सूखने में बहुत अधिक परेशानी आती है। यह स्वास्थ्यवर्धक और पसंदीदा फलों संतरा, अमरूद, चीकू, पपीता, आंवला, गाजर, अंगूर आदि का मौसम है।



शरद ऋतु में किन दिक्कतों का सामना करना पड़ता है

सर्दियों का मौसम गरीबों के लिए बहुत अधिक परेशानियों का निर्माण करता है, क्योंकि उनके पास गरम कपड़े और रहने के लिए पर्याप्त आवासों का अभाव होता है। बहुत अधिक सर्दी के कारण बहुत से पक्षी पलायन कर जाते हैं और पशु शीत निद्रा (हाइबरनेशन) में चले जाते हैं। इस मौसम के दौरान कोहरा और धुंध बहुत ही सामान्य होते हैं, जो सड़कों पर अधिक मीड़ और दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। हमें सर्दियों से बचने के लिए बहुत से गरम कपड़े पहनने चाहिए और अपने घरों में रहना चाहिए।

शरद ऋतु की अवधि

भारत में सर्दियों के मौसम के शुरु होने की अवधि क्षेत्रों और पृथ्वी के अपने अक्ष पर सूर्य के चारों ओर घूमने के अनुसार अलग-अलग है। हाल के मौसम विज्ञान के अनुसार, उत्तरी गोलार्द्ध में सर्दी का मौसम दिसम्बर में आता है और फरवरी के अन्त में या मार्च की शुरुआत में खत्म होता है। दक्षिण के लोगों के लिए, सर्दियों के महीने जून, जुलाई और अगस्त होते हैं।

मानव जीवन में महत्वापूर्ण भूमिका निभाती सर्द ऋतु



शीत ऋतु के आगमन का कारण :

भारत में शीत ऋतु के शुरू होने की अवधि क्षेत्रों और पृथ्वी के अपने अक्ष पर सूर्य के चारों ओर घूमने के अनुसार अलग-अलग होती है। सभी को यह पता है कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है। पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूमना ही पूरे साल भर मौसम और ऋतुओं के बदलने में मुख्य भूमिका निभाता है। जब पृथ्वी उत्तरी गोलार्द्ध पर चक्कर लगती है तब उत्तरी गोलार्द्ध पर सर्दी होती है। ऋतुएं तब बदलती हैं जब पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है। पृथ्वी अपने अक्ष पर 23.5 डिग्री सूर्य की ओर झुकी हुई है। दक्षिण के लोगों के लिए सर्दियों के महीने जून, जुलाई और अगस्त होते हैं। भारत में शीत ऋतु का हिमालय पर्वत से बहुत गर्दा संबंध होता है। जब हिमालय पर्वत पर बर्फबारी होती है और उत्तर दिशा की ओर से हवाएं चलना शुरू हो जाती हैं तो भारत में शीत ऋतु का आगमन होता है। हमें शरद ऋतु की चरम सीमा के महीने में उच्च स्तरीय ठंड और तेज सर्द हवाओं का सामना करना पड़ता है। हम वातावरण में दिन और रात के दौरान बड़े स्तर पर तापमान में परिवर्तन देखते हैं, रातें लम्बी होती है और दिन छोटे होते हैं। आसमान साफ़दिखता है हालांकि, कभी-कभी सर्दी के चरमोत्कर्ष पर पूरे दिन गर धुंध या कोहरा के कारण अस्पष्ट रहता है। कभी-कभी शरद ऋतु में बारिश भी होती है और स्थिति को और भी अधिक बुरा बना देती है।



शीत ऋतु का महत्व

शीत ऋतु का हमारे जीवन में बहुत महत्व होता है। भारत में शीत ऋतु सबसे महत्वपूर्ण मौसम है जो शरद संक्रांति पर शुरू होता है और बसंत विषुवत पर खत्म हो जाता है। शीत ऋतु स्वास्थ्य का निर्माण करने का मौसम होता है हालाँकि पेड़-पौधों के लिए बुरा होता है, क्योंकि वे बढना छोड़ देते हैं। बहुत से जानवर असहनीय ठंडे मौसम के कारण शीतकालीन निद्रा में चले जाते हैं। इस मौसम के दौरान बर्फ गिरना और सर्द तुफ़ानों का आना सामान्य बात है। शीत ऋतु में हम अनेक गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं।



कृतिक दृश्य

सर्दियों के दौरान पहाड़ी क्षेत्र बहुत ही सुंदर दिखने लगते हैं क्योंकि उन क्षेत्रों में सब कुछ बर्फ की चादर से ढका होता है और प्राकृतिक दृश्य की तरह बहुत सुंदर दिखाई देता है। सभी वस्तुओं पर पड़ी बर्फ मोतियों के समान दिखाई देती है। सूर्य के उदय होने पर तरह-तरह के रंग के फूल खिलते हैं और वातावरण को एक नया रूप देते हैं। कम तापमान वाली सूर्य की रोशनी की वजह से सर्दियों के दिन बहुत ही अच्छे और सुहावने होते हैं। दिसम्बर और जनवरी सबसे अधिक ठंड वाले मौसम होते हैं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



हाँ, मै ही मसान हूँ,

हाँ, मै ही मसान हूँ, जलना और जलाना यही तो कार्य है मेरा, इक रोज तू भी आयेगा मुझसे मिलने मेरे पास, उस रोज जब तेरे जिस्म की ऊष्मा, रूह संग मेरी ऊष्मा से मिलेगी, शायद उस क्षण अपना संगम होगा यहीं किसी मणिकर्णिका के घाट पर, जहाँ हम तुम रोज मिलते हैं गड़गड़ किनारे उन खुवाबों के शहर में। - रोहित गोस्वामी रुद्रांश

झुको पर सिर्फवहां

झुको पर सिर्फ वहां तक जहां तक तुम्हारा स्वाभिमान ना झुके रुको पर सिर्फ वहां तक जहां तक तुम्हारे अरमान ना रुके समझौते करो पर सिर्फ वहां तक जहां तक तुम्हारी पहचान ना मिटे देखो खुद को रोक मत देना कहीं खुद के अर्मा झोक मत देना कहीं माना कि सबसे हम हैं पर सबसे पहले हमसे हम हैं हां सबसे पहले हमसे हम हैं। - पूनम राजपूत

ख़ास प़ाती | करो हिम्मत यहाँ डर कुछ नही

करो हिम्मत यहाँ डर कुछ नही है कि डर अंदर है बाहर कुछ नही है। नया है साल पर अंतर कुछ नही है।। फिर है बस मयस्सर कुछ नही है किसी का रतबा कुसी नही है। गयी कुसी तो तेवर कुछ नही है।। बना बिगड़ी अरे भगवन मेरी। तुझी से सब सिकन्दर कुछ नही है।। सवारा सादगी ने चेहरे को जब। जहाँ में इससे गौहर कुछ नही है।। बहारें आए फिर बस ये दुआ है। अभी के वक्त से बदतर कुछ नही है।। उदासी को उतार कर मुस्कुरा दो। खुशी से बड़ा दर कुछ नही है।। ?? पुराने वादे पूरे कब हुये है। करो सरकार दूधर कुछ नही है।

सबकुछ छीनकर भी ये साल

सबकुछ छीनकर भी ये साल कुछ तो दे गया, आसमों का दर्द ये हमसे कह गया, पिंजरे की सी जिंदगी जब जी हमने भी, समझ तब आया पंछी क्या-क्या सह गया, बाँधकर मुँह पर नकाब अब निकलते हैं हम, हमको पता है अब ये किसी को दिखाने के काबिल न रह गया, दूरियाँ इस क़दर रिशतों में आ गईं, कोई संग है अपने ये भरम अब न रह गया, नया साल निगल जाएगा कुछ और भरम भी, शिकवे शिकायतों का अब चलन न रह गया।



न ही चाय की चुस्कियां हुई न

न ही चाय की चुस्कियां हुई न ही बातों की गरमाहट शरदोत्सव कि तरह यह समय समय की गाल में समाता जा रहा हैं जब तक समझ पाते हम हम ही न रहे यूं तो यादों की गरमाहट कम न हैं पर जो मजा आज हैं वो बीते कल में कहीं हम यही हैं और तुम भी यहीं हो बस ये धैर्य सा वाणी न रहा। - सोनू कुमार आकाश



शने:-शने: जीवन के पथ पर

शने:-शने: जीवन के पथ पर, वर्ष निकलता जाता है।। नई उमगे लेकर आती, एक जनवरी। इन्हीं उमंगों से रहती है, भरी फरवरी। किंतु मार्च के चलते-चलते, जोश फिसलता जाता है।। आते जब अप्रैल-मई या, जून उवाते। माह जुलाई औ’ अगस्त भी, धरा डुबाते। शीघ्र सितंबर, फिर अक्टूबर, माह बदलता जाता है।। माह नवंबर जल्दी-जल्दी- जल्दी करता। और दिसंबर थककर केवल, आहें भरता। वर्ष बीत जाता है लेकिन, हमको खलता जाता है। - भाऊराव महंत

दिसंबर के जाने से या फिर

के आने से फरवरी के ठहरे से भी क्या होगा ? भाग्य में लिखा है तुम्हारा न मिलना और मेरा न लौटना कैलेंडर केवल कुछ पन्नों का महज एक दस्तावेज है मेरे लिए जिसकी हर तारिख पे नमक का हिसाब आज भी बाकी है। - सरिता शैल



हे कान्हा हाथ जोड़ विनती करूँ

हे कान्हा हाथ जोड़ विनती करूँ हे कृपा निधान सुंदर स्वस्थ सेहत रहे, मुख ओर मधुर मुस्कान हृदय सिंहासन पर आप रहे, सदा शोभायमान आठ पहर करते रहें श्री चरणन का ध्यान। भक्तजन करते रहें,दर्शनबमृत का पान। बीते समय की गलतियाँ ,क्षमा करो भगवान। - श्री मंजु

लॉकडाउन जैसे ही शुरू होता

लॉकडाउन जैसे ही शुरू होता है बेचारे पुत्रके (गोलागप्पा, गुप्पचुप, पानी पूरी) वाले से भी पहले मंच वाले कवि लोग रोने लगते हैं । भाई जीवन बचेगा तो फिर पाकिस्तान को धूल चटा देना , जान बची रहेगी तो लोगों को फिर कभी हँसा लेना कि बस लिफ़फ़ा पर नजर। - अमित अम्बष्ट



QUIZ TIME

- सविधान के किस अनुच्छेद में वयस्क मताधिकार को मान्यता दी गई है?
- आय का वितरण किससे मापा जाता है?
- किस प्रवास के प्रकारों में से भारत में गमनागमन में वर्ष 2011 में किसका सर्वाधिक हिस्सा है?
- महात्मा गांधी द्वारा दक्षिण अफ्रीका में प्रकाशित समाचार पत्र का नाम क्या था?
- सामिया सुलूह हसन किस अफ्रीकी देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनी?

उत्तरमाला- (1) अनुच्छेद-326 (2) लॉक वक्त (3) गांव से गांव (4) रामाकृष्ण

Ramaquız

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1757: ब्रिटिश सैनिकों ने भारत के कलकत्ता शहर (अब कोलकाता) पर कब्जा किया। 1839: प्रॉक्सिमी फेटोग्राफ़ लुई लागुरे ने चांद की पहली फोटो प्रदर्शित की। 1878: केरल के प्रसिद्ध समाज सुधारक मन्नतु पद्मनाभन का जन्म हुआ। 1899: रामकृष्ण के आदेश के बाद साधु कलकत्ता (अब कोलकाता) स्थित बेलूर मठ में रहने लगे। 1905: हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक कथाकार और उपन्यासकार जैनेन्द्र कुमार का जन्म हुआ। 1942: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी सेना ने फ्लोपींस की राजधानी मनीला पर कब्जा किया। 1954: पद्म विभूषण पुरस्कार देने की शुरुआत हुई। 1954: भारत रत्न पुरस्कार देने की शुरुआत हुई। 1970- प्रसिद्ध तैराक बुला चौधरी का जन्म हुआ।

1973: जनरल मानिक शॉ को फ़ैल्ड मार्शल बनाया गया। 1975 : हिरासत में बांग्लादेश के क्रांतिकारी नेता सिराज सिक्कर को पुलिस ने जान से मार दिया। 1987: ‘भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस’ के प्रमुख नेता तथा आधुनिक उड़ीसा के निर्माताओं में से एक हरे कृष्ण मेहताब का निधन। 1989 : प्रधानमंत्री रानी सिंह प्रेमदासा ने श्रीलंका के तीसरे राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। 1991: तिरुअनंतपुरम हवाई अड्डा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाया गया। 1998 : नाइजर के प्रधानमंत्री हामा अमादाउ को राष्ट्रपति इब्राहीम बोरमैआनससेरा की हत्या की साजिश के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। 2011: प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी पूर्व पूर्व लोकसभा अध्यक्ष बली राम भगत का निधन।

कामो की निरगानी तीसरी आंख के माध्यम से की जा रही है। जिससे किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी की आशंका नहीं रहे। जिससे किसानों को नुकसान हो। इस संबंध में जानकारी देते हुए समिति प्रभारी गणेश प्रसाद मिश्रा ने बताया कि यहां पर कानून सुचारु रूप से किया जा रहा है तथा सभी किसानों को संतुष्ट कर ही घर की ओर रवाना किया जा रहा है। वहीं उप समिति प्रभारी विष्णु प्रताप पटेल ने बताया कि यहां पर खरीदी के तत्काल बाद धान की सिलाई टैंग लगाकर कर दी जाती है तथा उसके बाद ट्रकों में लगातार लोडिंग करके धान बैग पर हाऊस तक भेजी जाती है। इसके साथ ही वहां पर कार्यरत कर्मचारी अरविंद द्विवेदी एवं अजय पटेल के साथ अन्य लोगों ने समिति प्रबंधक महेन्द्र त्रिपाठी के दिशा-निर्देशन में काम करने की बात को स्वीकार करते हुए कहा कि यहां पर पिछले 1 माह से खरीदी चल रही है अब तक सभी काम नियमानुसार ही हो रहे हैं और होते रहेंगे। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि किसान धर्य बनाकर नियमानुसार ही काम करें तथा किसी प्रकार की अव्यवस्था एवं व्यवधान खरीदी पर नहीं पहुंचे तथा आप सभी किसानों की उपज समय पर तुलावटी की जा सके। इसके लिए किसानों का भी धन्यवाद समचारियों ने किया है।

